प्रेरणा बोध

(मिशन प्रेरणा के अंतर्गत प्रेरणा लक्ष्य पर आधारित अभ्यास कार्य संग्रह)

कक्षा - 3 विषय - गणित

प्रेरणा लक्ष्य– जोड़ एवं घटाना (हासिल के साथ) के 75% प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।

विशेष:- प्रस्तुत संकलन में प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य को प्रकरणवार 30 मुख्य दिवस में विभाजित किया गया है। प्रत्येक मुख्य दिवस के अगले कार्य दिवस (सह दिवस) में आकलन करते हुए सम्बन्धित प्रकरण की पुनरावृत्ति की जाए। इस प्रकार से 60 कार्य दिवस में अधिकांश छात्र/छात्रा प्रेरणा लक्ष्य हासिल कर लेंगे। जो छात्र/छात्रा 60 दिवस के उपरान्त भी प्रेरणा लक्ष्य हासिल न कर पाएँ हों उन्हें पुनः सम्मिलित करते हुए इसी प्रकार से शिक्षण प्रक्रिया दोहराई जाए जिससे कि मार्च 2022 के पूर्व ही प्रेरणा लक्ष्य को हासिल कर उत्तर प्रदेश को प्रेरक प्रदेश बना सकें।

'प्रेरणा बोध' से प्रेरणा लक्ष्य का बोध कराएँ।
आओ उत्तर प्रदेश को प्रेरक प्रदेश बनाएँ।

निर्माण व संकलन - टीम मिशन शिक्षण संवाद सीतापुर(उ.प्र.)

Scanned by CamScanner

अपनी बात

एक ओर मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी कहते हैं– "अवध सरिस प्रिय मोहि नहि सोऊ" वहीं दूसरी ओर श्री कृष्ण जी कहते हैं– " ऊधौ मोहि ब्रज बिसरत नाही" इतना ही नहीं विद्वानों ने यह भी कहा है–" जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी" अर्थात् माता और मातृभूमि का स्थान स्वर्ग से भी ऊपर है।

हम सभी ने माँ भारती की कोख से जन्म लिया है। इसलिए सभी देशवासियों के लिए भारत माता या राष्ट्र का स्थान स्वर्ग से भी ऊपर यानी सर्वोपरि है। हमारे देश के बच्चे राष्ट्र के भावी कर्णधार हैं। भविष्य में वे इस गुरुतर दायित्व का निर्वहन अच्छे से कर सकें, इसके लिए आवश्यक है शिक्षा। हम जानते हैं कि सभी प्रकार की शिक्षा का आधार है प्राथमिक शिक्षा। कहते हैं जब किसी इमारत की नींव मजबूत होती है, तो वह इमारत स्थायी और टिकाऊ होती है। ठीक उसी प्रकार हमारी प्राथमिक शिक्षा की नींव को मजबूत करने हेतु उत्तर प्रदेश शासन व बेसिक शिक्षा विभाग के द्वारा मिशन प्रेरणा के अन्तर्गत परिषदीय विद्यालयों के बच्चों के लिए कक्षानुसार(कक्षा 1 से 5 तक) भाषा और गणित हेतु प्रेरणा लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इस कार्य को धरातल पर उतारने की मुख्य भूमिका हम शिक्षकों की ही है। उसी गुरुतर दायित्व का निर्वहन करते हुए मिशन शिक्षण संवाद, सीतापुर की 10 सदस्यीय शिक्षक/शिक्षिकाओं की टीम द्वारा प्रेरणा लक्ष्य को हासिल करने हेतु कक्षा 1 से लेकर कक्षा 5 तक भाषा एवं गणित का अभ्यास संग्रह 'प्रेरणा बोध' तैयार किया गया है। 'प्रेरणा बोध' में बच्चों के बालमन व जिज्ञासु प्रवृत्ति को प्रमुखता दी गई है। जिससे बच्चे बिना बोझिल हुए सहज भाव से सीखकर प्रेरणा लक्ष्य को हासिल कर सकें।

प्रस्तुत संकलन में प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य को 30 मुख्य दिवस में विभाजित किया गया है। प्रत्येक मुख्य दिवस के अगले कार्य दिवस(सह दिवस) में आकलन करते हुए मुख्य दिवस के अभ्यास कार्य के आधार पर सम्बन्धित प्रकरण की पुनरावृत्ति की जाए जिससे कि विद्यार्थियों में प्रकरण की पूर्ण समझ विकसित हो जाए। इस प्रकार से 60 कार्य दिवस में अधिकांश विद्यार्थी प्रेरणा लक्ष्य हासिल कर लेंगे। यदि कुछ विद्यार्थी 60 दिवस के उपरान्त भी प्रेरणा लक्ष्य हासिल नहीं पाए हैं तो उन्हें पुनः सम्मिलित करते हुए इसी प्रकार से शिक्षण प्रक्रिया दोहराई जाए।

कक्षा 1 में नव प्रवेशित बच्चे होते हैं अतः उनके लिए प्रकरण को 45 मुख्य दिवस में विभाजित किया गया है। इस प्रकार सह दिवस सहित 90 कार्य दिवस में प्रेरणा लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा। यदि बच्चों में अगले सह दिवस में भी सम्बन्धित प्रकरण की समझ विकसित नहीं हो पाती है तो उसका अगला कार्य दिवस भी सह दिवस के रूप में लेकर पुनरावृत्ति कराई जा सकती है। वर्तमान परिवेश में कोविड-19 महामारी के कारण विपरीत स्थितियों में 'ग्राम शिक्षा सैनिक' या शिक्षा प्रहरी के माध्यम से विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन में 'प्रेरणा बोध' के आधार पर शिक्षण कार्य सम्पादित करवाया जा सकता है तथा आसानी से प्रेरणा लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

'प्रेरणा बोध' से प्रेरणा लक्ष्य का बोध कराएँ। आओ उत्तर प्रदेश को प्रेरक प्रदेश बनाएँ।।

आशा है कि प्रस्तुत संकलन सभी शिक्षकों व बच्चों के लिए प्रेरणा लक्ष्य प्राप्त करने में उपयोगी सिद्ध होगा। अंत में प्रदेश व जनपद के मार्गदर्शक अधिकारीगण, हम सबके आदरणीय मिशन शिक्षण संवाद के संस्थापक विमल कुमार जी, सम्मानित शिक्षकगण, अभिभावकों, बच्चों व समाज के जन-जन का टीम की ओर से हार्दिक आभार।

आप सभी की प्रेरणा से ही टीम को यह ज्ञानरूपी पुष्पगुच्छ 'प्रेरणा बोध' प्रस्तुत करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

धन्यवाद!

ओमकार पाण्डेय
टीम सह-संयोजक
स०अ०, उ०प्रा०वि० किरतापुर
सकरन, सीतापुर (उ०प्र०)

नीलम कुमारी
टीम सह-संयोजक
प्र०अ०, प्रा०वि० मिश्रापुर
खैराबाद, सीतापुर (उ०प्र०)

अजय सिंह
टीम संयोजक
स०अ०, प्रा०वि० गजोधरपुर
सिधौली, सीतापुर (उ०प्र०)

Scanned by CamScanner

अखिलेश तिवारी
जिलाधिकारी
जनपद-सीतापुर

शुभकामना सन्देश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि जनपद-सीतापुर के कर्मठ शिक्षक/शिक्षिकाओं की टीम द्वारा संयुक्त प्रयास से बच्चों में बुनियादी समझ विकसित करने व प्रेरणा लक्ष्य हासिल करने हेतु 'प्रेरणा बोध' (ई.बुक) का प्रकाशन किया जा रहा है।

कोरोना महामारी के इस दौर में टीम के सभी सदस्यों का यह प्रयास दर्शाता है कि शिक्षक घने अंधकार में भी प्रकाश फैलाने का सामर्थ्य रखता है। निश्चित रूप से टीम का यह भगीरथ प्रयास बच्चों में बुनियादी समझ विकसित करने व प्रेरणा लक्ष्य हासिल करने में अति उपयोगी सिद्ध होगा।

पूरी टीम को हार्दिक साधुवाद व 'प्रेरणा बोध' (ई.बुक) के सफल प्रकाशन हेतु बहुत-बहुत शुभकामनाएँ!

अखिलेश तिवारी
जिलाधिकारी
जनपद-सीतापुर

Scanned by CamScanner

अजीत कुमार

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी

सीतापुर

शुभकामना सन्देश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि मिशन शिक्षण संवाद टीम सीतापुर के 10 शिक्षक/शिक्षिकाओं द्वारा प्रेरणा लक्ष्य पर आधारित ई-बुक 'प्रेरणा बोध' का प्रकाशन किया जा रहा है।

मुझे पूरी आशा है कि टीम का यह प्रयास 'प्रेरणा लक्ष्य' हासिल करने में मददगार साबित होगा।

'प्रेरणा बोध' के सफल प्रकाशन हेतु ढेर सारी शुभकामनाएँ!

अजीत कुमार
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
सीतापुर

Scanned by CamScanner

प्रमोद कुमार पटेल

खण्ड शिक्षा अधिकारी

विकास क्षेत्र- खैराबाद, जनपद- सीतापुर (उ०प्र०)

शुभकामना सन्देश

वर्तमान परिवेश में कोरोना महामारी के कारण विद्यालय बंद हैं। ऑनलाइन शिक्षण के प्रयास अवश्य किए जा रहे हैं परन्तु चुनौतियाँ अत्यधिक हैं। ऐसे परिवेश में प्रेरणा लक्ष्य आधारित ई-बुक 'प्रेरणा बोध' के संकलन का अनुकरणीय प्रयास टीम के शिक्षक/शिक्षिकाओं द्वारा किया गया है।

मिशन शिक्षण संवाद की पूरी टीम व इस संकलन के सभी सहयोगियों को बधाई देता हूँ।

मुझे पूरी आशा है कि यह संकलन प्रेरणा लक्ष्य हासिल करने में अत्यंत उपयोगी व सार्थक सिद्ध होगा। ई-बुक 'प्रेरणा बोध' के प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ!

प्रमोद कुमार पटेल

खण्ड शिक्षा अधिकारी

खैराबाद

Scanned by CamScanner

अशोक यादव

खण्ड शिक्षा अधिकारी

विकास क्षेत्र- महोली/परसेण्डी, जनपद- सीतापुर (उ०प्र०)

शुभकामना सन्देश

मिशन शिक्षण संवाद के कार्यक्रमों एवं उसके फेसबुक पेज की सामग्री से मुझे काफी प्रेरणा मिलती है कि हम अपने विद्यालय को उच्चस्तरीय गुणवत्तापूर्ण संस्थानों में बदल सकेंगे और छात्रों का लर्निंग आउटकम अपेक्षित स्तर तक ला सकेंगे। शैक्षिक नवाचार में मिशन का योगदान सदैव प्रशंसनीय रहा है।

जनपद-सीतापुर के शिक्षक/ शिक्षिकाओं की टीम ने प्रेरणा लक्ष्य प्राप्त करने के लिए जो 'प्रेरणा बोध' अभ्यास कार्य का संकलन किया है, वह निश्चित रूप से 2022 तक प्रेरणा लक्ष्य प्राप्त करने में मील का पत्थर साबित होगा।

टीम के सफल प्रयास हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ!

अशोक यादव

खण्ड शिक्षा अधिकारी

विकास क्षेत्र- महोली/परसेण्डी

जनपद-सीतापुर(उ०प्र०)

Scanned by CamScanner

जितेन्द्र बहादुर चौधरी

खण्ड शिक्षा अधिकारी

विकास क्षेत्र- सकरन, जनपद- सीतापुर (उ०प्र०)

शुभकामना सन्देश

कोरोना महामारी के इस दौर में जब ज्यादातर लोगों के मन मस्तिष्क में निराशा और अनिश्चितता की धुँधली छाया पड़ी हुई है तथा हमारे वे बच्चे जो किन्ही कारणवश ऑनलाइन शिक्षा को प्राप्त करने में असमर्थ हैं उन सबके लिए 'प्रेरणा बोध' काले घने बादलों के बीच उत्साह और आशा की किरण लेकर आयी है । जनपद सीतापुर के दस कर्मयोगियों ने एक साथ मिलकर पूरी आशा,उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा के साथ जनपद के सभी स्कूलों को प्रेरक स्कूल बनाने की रणनीति बनाई है। इन दस कर्मयोगियों की टीम के सामूहिक प्रयास से विभाग द्वारा निर्धारित प्रेरणा लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 'प्रेरणा बोध' ई-बुक प्रकाशित की जा रही है।

मुझे पूरा विश्वास है कि 'प्रेरणा बोध' प्रेरणा लक्ष्य को प्राप्त करने के मार्ग को सहज और सरल बनायेगी। इस स्वप्रेरित प्रयास के लिए पूरी टीम को बहुत बहुत हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ!

जितेन्द्र बहादुर चौधरी

खण्ड शिक्षा अधिकारी

विकास क्षेत्र- सकरन

जनपद-सीतापुर(उ०प्र०)

Scanned by CamScanner

पुष्पेन्द्र जैन

खण्ड शिक्षा अधिकारी

विकास क्षेत्र- सिधौली, जनपद- सीतापुर (उ०प्र०)

शुभकामना सन्देश

मुझे हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि जनपद-सीतापुर के शिक्षक/शिक्षिकाओं की टीम ने प्रेरक व अनुकरणीय कार्य करते हुए स्वेच्छा से 'प्रेरणा लक्ष्य' पर आधारित अभ्यास कार्य संग्रह 'प्रेरणा बोध' का संकलन किया है।

मुझे पूरी आशा है कि यह संकलन प्रेरणा लक्ष्य हासिल करने में अति उपयोगी सिद्ध होगा।

टीम के सफल प्रयास व ई-बुक 'प्रेरणा बोध' के प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ!

20.8.2020

पुष्पेन्द्र जैन

खण्ड शिक्षा अधिकारी

विकास क्षेत्र- सिधौली

जनपद-सीतापुर(उ०प्र०)

Scanned by CamScanner

अजय विक्रम सिंह

खण्ड शिक्षा अधिकारी

विकास क्षेत्र- महमूदाबाद, जनपद- सीतापुर (उ०प्र०)

शुभकामना सन्देश

प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणा लक्ष्य को हासिल कर उत्तर प्रदेश को प्रेरक प्रदेश बनाने की मुहिम चल रही है। इससे छात्र/ छात्राओं के शैक्षिक विकास, उन्नयन और आकलन में एक नया प्रतिमान स्थापित होगा। मुझे यह जान कर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि सीतापुर जनपद के 10 शिक्षक/शिक्षिकाओं की टीम ने सामूहिक प्रयास से 'प्रेरणा बोध' के नाम से एक उपयोगी संकलन तैयार किया है। इस संकलन के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में अध्यापकों के अनुभव और सृजन क्षमता का विशेष योगदान सिद्ध हो सकेगा।

अतः इस कार्य हेतु टीम के सभी शिक्षक/शिक्षिकाओं की सराहना करते हुए ई-बुक 'प्रेरणा बोध' के प्रकाशन सफलता और उपयोगिता के लिए शुभकामना प्रेषित करता हूँ।

अजय विक्रम सिंह

खण्ड शिक्षा अधिकारी

विकास क्षेत्र- महमूदाबाद

जनपद-सीतापुर(उ०प्र०)

Scanned by CamScanner

विमल कुमार

मिशन शिक्षण संवाद

शुभकामना सन्देश

शिक्षक का एक गुण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव चिंतित रहना और उनके सीखने की प्रक्रिया को सरल, सहज, सुगम और रोचक बनाना है। शिक्षक के लिए यह निश्चित रूप से एक कठिन पथ की यात्रा है। जो शिक्षक हर बाधा को पार कर जाए और समस्याओं से विचलित न हो वही सफल शिक्षक है।

प्रसन्नता का विषय है कि टीम मिशन शिक्षण संवाद सीतापुर के शिक्षक भाई - बहनों द्वारा प्रेरणा लक्ष्य आधारित भाषा और गणित की प्राथमिक स्तर की पुस्तक (ई-बुक)'प्रेरणा बोध' का निर्माण किया गया है जिसका प्रकाशन हो रहा है। टीम का यह प्रयास मात्र अपने विद्यार्थियों के लिए ही नहीं अपितु सम्पूर्ण प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

मिशन शिक्षण संवाद परिवार टीम सीतापुर की इस पहल का सम्मान करता है और पुस्तक के प्रकाशन के लिए अनेक-अनेक शुभकामनाएँ प्रेषित करता है।

विमल कुमार

मिशन शिक्षण संवाद

Scanned by CamScanner

निर्माण एवं संकलन टीम

रंजना मिश्रा(स॰अ॰)उ॰प्रा॰वि॰ अहिबनपुर, महमूदाबाद, सीतापुर, विषय-भाषा, कक्षा-1

अंजू गुप्ता(प्र॰अ॰)प्रा॰वि॰ नरसोही, परसेण्डी, सीतापुर, विषय-गणित, कक्षा-1

मोनिका निगम(प्र॰प्र॰अ॰)उ॰प्रा॰वि॰ शिवपुर देवरिया, महमूदाबाद, सीतापुर, विषय-भाषा, कक्षा-2

कुलदीप पाण्डेय(स॰अ॰)प्रा॰वि॰ मूड़ाहूसा, महोली, सीतापुर, विषय-गणित, कक्षा-2

पल्लवी श्रीवास्तव(स॰अ॰)प्रा॰वि॰ रजुआपुर, महमूदाबाद, सीतापुर, विषय-भाषा, कक्षा-3

नीलम कुमारी(प्र॰अ॰)प्रा॰वि॰ मिश्रापुर, खैराबाद, सीतापुर। विषय-गणित, कक्षा-3

ममता देवी(स॰अ॰)प्रा॰वि॰ गोधौरी, महमूदाबाद, सीतापुर, विषय-भाषा, कक्षा-4

ओमकार पाण्डेय(स॰अ॰)उ॰प्रा॰ वि॰ किरतापुर, सकरन, सीतापुर। विषय-गणित, कक्षा-4

शालिनी प्रजापति(स॰अ॰)कम्पोजिट स्कूल पीरपुर, परसेण्डी, सीतापुर। विषय-भाषा, कक्षा-5

अजय सिंह(स॰अ॰)प्रा॰वि॰ गजोधरपुर, सिधौली, सीतापुर, विषय-गणित, कक्षा-5

प्रेरणा बोध

Scanned by CamScanner

प्रकरण सूची

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा- 3 विषय- गणित मुख्य दिवस- 30

प्रेरणा लक्ष्य:- जोड़ एवं घटाना (हासिल के साथ) के 75% प्रश्नों को हल कर पाते हैं।

मुख्य दिवस	प्रकरण	मुख्य दिवस	प्रकरण
1	1से 20 तक की गिनती की समझ	16	हासिल की समझ
2	21से50 तक की गिनती की समझ	17	हासिल की समझ
3	51से80 तक की गिनती की समझ	18	दो अंकों का हासिल का जोड़
4	81से100 तक की गिनती की समझ	19	दो अंकों का हासिल का जोड़
5	इकाई ,दहाई व सैकड़े की अवधारणा को स्पष्ट करना व 101से300 तक की गिनती की समझ	20	दो अंकों का हासिल का घटाना
6	301से500 तक की गिनती को समझकर पढ़ना व वस्तुओं की सहायता से संख्यांक लिखना व समझना।	21	दो अंकों का हासिल का घटाना
7	501से700 तक की गिनती को समझकर पढ़ना व वस्तुओं की सहायता से संख्यांक लिखना व समझना।	22	तीन अंकों का हासिल का जोड़
8	701से900 तक की गिनती को समझकर पढ़ना व वस्तुओं की सहायता से संख्यांक लिखना व समझना।	23	तीन अंकों का हासिल का जोड़
9	901से999 तक की गिनती को समझकर पढ़ना व वस्तुओं की सहायता से संख्यांक लिखना व समझना।	24	तीन अंकों का हासिल का घटाना
10	संख्याओं को लिखना और पढ़ना	25	तीन अंकों का हासिल का घटाना
11	दो अंकीय साधारण जोड़ की समझ	26	घटाने में हासिल की संक्रिया
12	दो अंकीय साधारण घटाने की समझ	27	आओ पुनः समझे - घटाना
13	तीन अंकीय साधारण जोड़ की समझ	28	आओ प्रश्न बनाना सीखें।
14	तीन अंकीय साधारण घटाने की समझ	29	बिना हासिल के इबारती सवाल
15	हासिल की समझ	30	आकलन प्रपत्र

विशेष:- प्रत्येक मुख्य दिवस के अगले दिवस (सह दिवस) में आकलन करते हुए सम्बन्धित प्रकरण की पुनरावृत्ति की जाए।

निर्माणकर्ता- नीलम कुमारी, प्र०अ०, प्रा०वि० मिश्रापुर, विकास क्षेत्र- खैराबाद, जनपद -सीतापुर(उ०प्र०)

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा - 3 **प्रकरण -1 से 20 तक की गिनती की समझ** **दिवस - 1**

बच्चों से बातचीत

बच्चों, कल बहुत पानी बरसा। मेरे पास एक ही छाता था। जिससे मेरे दो बैग भीग गए। तीन - चार बार तो जमकर बरसात हुई। यदि पाँच दिन तक तेज़ बारिश हुई तो छः - सात दिन में बहुत पानी बरस जाएगा। मेरे बचपन मे भी एक बार लगातार आठ - नौ दिन पानी बरसा था।

अरे मोनी, तुमने अपनी दसों उंगलियों में मेंहदी लगा रखी है! बहुत सुंदर रची है। इस मेंहदी का पैकेट ग्यारह रुपए का मिलता है। बारह घंटे में बहुत अच्छी रच जाती है।मैंने भी खरीदी थी लेकिन वो तेरह रुपये की मिली थी, शायद पैकेट बड़ा था।

अमन तुम बता रहे थे कि गर्मियों की छुट्टी में चौदह दिन तक नानी के यहाँ रहे। पंद्रहवें दिन वापस आये। वहाँ तुमने सोलह बच्चों की पी.टी. टीम भी बनायी थी। अच्छी बात है।और शुभी ने यहाँ सत्रह बच्चों की टीम बनायी थी वो भी योग सिखाती है।

अरे मोनू!आज तो अट्ठारह तारीख है और तुमने उन्नीस लिख दी। सही कर लो। अब बीस को हम लोग एक अच्छा सा विशेष खेल खेलेंगे।

आओ गिनती पढ़ें।

1	एक	11	ग्यारह
2	दो	12	बारह
3	तीन	13	तेरह
4	चार	14	चौदह
5	पांच	15	पंद्रह
6	छः	16	सोलह
7	सात	17	सत्रह
8	आठ	18	अट्ठारह
9	नौ	19	उन्नीस
10	दस	20	बीस

आओ खाली स्थान में गिनती भरें।

20		18		16
	14		12	
10		8		6
	4		2	

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी , प्र.अ. , प्रा. वि. मिश्रापुर , खैराबाद , सीतापुर।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा - 3 **प्रकरण -21 से 50 तक की गिनती की समझ** **दिवस - 2**

बच्चों, आओ हम सब गिनती की कविता गाएँ,,,,

इक्कीस किलो का आम था,
बाइस को घर पे आया था।
तेईस भाग किये उसके,
फिर चौबीस जनों ने खाया था।
पच्चीस को फिर हम लखनऊ गए,
छब्बीस को सीतापुर आ गए।
सत्ताईस को मेरी छुट्टी थी,
अट्ठाईस को फिर से ड्यूटी थी।
उन्तीस को हमको फुर्सत न मिली,
तीस को मेरी एक दोस्त मिली।

इकतीस दिन होते जुलाई में,
बत्तीस रुपए मिले हमे चटाई पे।
तैंतीस दिन रुके हम हवेली में,
चौंतीस दिन रहे बरेली में।
पैंतीस पन्नो की कॉपी है,
छत्तीस बार मैंम ने जांची है।
सैंतीस बार हमने वेरी गुड पाया,
अड़तीस रुपये का गुड़ खाया।
उनतालीस की उमर है दीदी की,
चालीस के हो गए हैं भैया भी।

इकतालीस दिन बाद परीक्षा है,
बयालीस पाठ की दीक्षा है।
तैंतालीस दिन बाद घूमने जाएंगे,
चवालीस दिन का टूर बनायेंगे।
पैंतालीस नंबर है ट्रेन के डिब्बे का,
अड़तालीस नंबर है सोनू के डिब्बे का।
उनचास किलो वजन का अरमान है,
पचास किलो का उसका सामान है।

आओ गिनती पढ़ें।

21 इक्कीस	31 इकतीस	41 इकतालीस
22 बाइस	32 बत्तीस	42 बयालीस
23 तेईस	33 तैंतीस	43 तैंतालीस
24 चौबीस	34 चौंतीस	44 चौवालीस
25 पच्चीस	35 पैंतीस	45 पैंतालीस
26 छब्बीस	36 छत्तीस	46 छियालीस
27 सत्ताईस	37 सैंतीस	47 सैंतालीस
28 अट्ठाईस	38 अड़तीस	48 अड़तालीस
29 उन्तीस	39 उनतालीस	49 उनचास
30 तीस	40 चालीस	50 पचास

आओ खाली स्थान में गिनती भरें।

50		48		46
	44		42	
40		38		36
	34		32	
30		28		26
	24		22	

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी , प्र.अ. , प्रा. वि. मिश्रापुर , खैराबाद , सीतापुर।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा - 3 **प्रकरण -51 से 80 तक की गिनती की समझ** **दिवस - 3**

बच्चों, आओ हम सब गिनती की कविता गाएँ,,,,

इक्यावन की है गिनती आयी,
बावन ने भी धूम मचायी।
तिरपन आया उसके पीछे,
चौवन ने भी दौड़ लगाई।
पचपन साल के दादा जी,
छप्पन भोग खूब खाएँ जी।
सत्तावन की हैं नानी जी,
अट्ठावन पकवान बनाती जी।
उनसठ गिनती के लगे हैं टायर,
साठ में बुआ हो गयीं रिटायर।

इकसठ जनों का मेला था,
बासठ ठेलों पर केला था।
तिरसठ की अलग कहानी थी,
चौसठ महलों की महारानी थी।
पैंसठ दिन तक यही चला,
छांछठ के सर से टली बला।
सरसठ गिलासों में पानी था,
अड़सठ कौवों को पीना था,
उनहत्तर चाँद भी होते हैं क्या,
सत्तर दिन अब सोंचे हम क्या।

इकहत्तर पौधे लगे अभी,
बहत्तर और लगाने हैं।
तिहत्तर फूल खिलें हैं अभी,
चौहत्तर और खिलानें हैं।
पचहत्तर क्यारियां हैं नईं बनीं,
छिहत्तर नाम लिखे इनमें।
सतहत्तर ईंटे लगी हुईं,
अठहत्तर रंग लगे जिनमें।
उन्यासी बच्चों की हँसी बिखरी,
अस्सी की है शिक्षा निखरी।

आओ गिनती पढ़ें।

गिनती को क्रमवार मिलाओ। एक चमकता सितारा पाओ।

51 इक्यावन	61 इकसठ	71 इकहत्तर	
52 बावन	62 बासठ	72 बहत्तर	
53 तिरपन	63 तिरसठ	73 तिहत्तर	
54 चौवन	64 चौसठ	74 चौहत्तर	
55 पचपन	65 पैंसठ	75 पचहत्तर	
56 छप्पन	66 छांछठ	76 छिहत्तर	
57 सत्तावन	67 सड़सठ	77 सतहत्तर	
58 अट्ठावन	68 अड़सठ	78 अठहत्तर	
59 उनसठ	69 उनहत्तर	79 उन्यासी	
60 साठ	70 सत्तर	80 अस्सी	

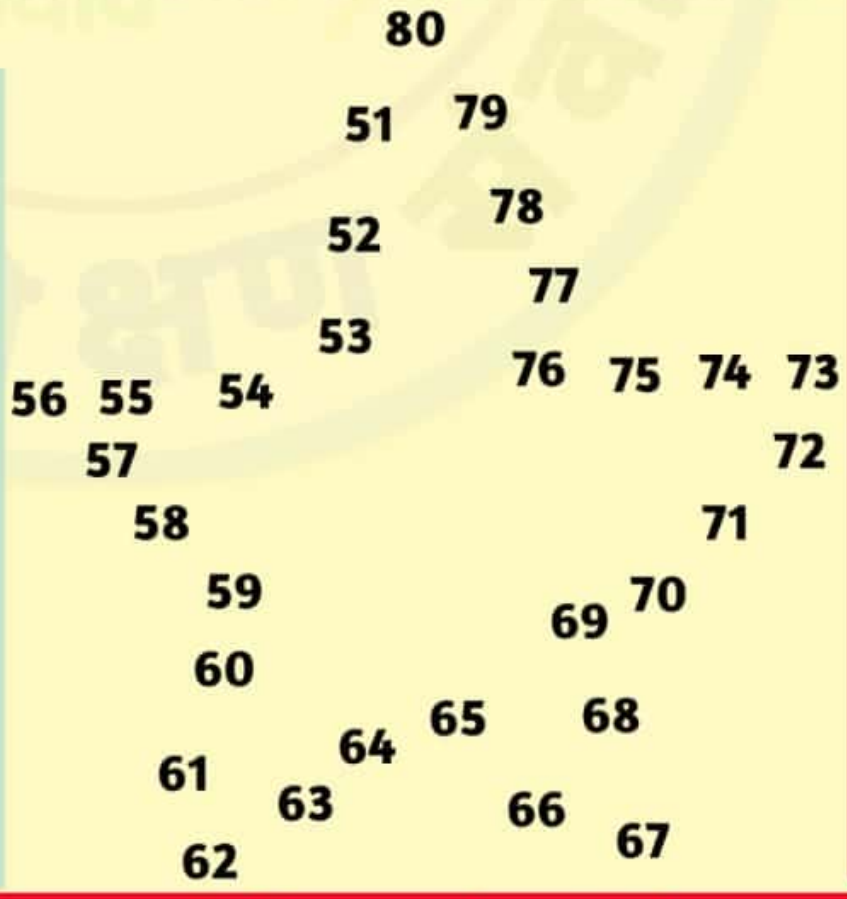

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी , प्र.अ. , प्रा. वि. मिश्रापुर , खैराबाद , सीतापुर।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा - 3 प्रकरण -81 से 100 तक की गिनती की समझ दिवस - 4

बच्चों, आओ हम सब गिनती की कविता गाएँ,,,,

इक्यासी झाड़ू आये दुकान में,
बयासी रुपये दिए हमने दान में।
तिरासी घंटी बजी स्कूल की,
चौरासी फ़ोटो खिंची हर फूल की।
पचासी दरी हैं बिछी हुई,
छियासी प्लेटें लगी हुईं।
सत्तासी जनों का खाना बना था,
अट्ठासी किलो आटा सना था।
नवासी पूरी छन छन निकलीं,
नब्बे रसगुल्लों की बारात निकली।

इक्यानबे नंबर कला में मिले,
बानबे नंबर अंग्रेजी में मिले।
तिरानबे नंबर का जूता मिला,
चौरानबे जगह से वो है सिला।
पंचानबे पानी बतासे खाये थे,
छियानबे को खिलाए थे।
सत्तानबे रन बने है क्रिकेट में,
अट्ठानबे पर गेंद टकराई विकेट में।
निन्यानबे के फेर से सब बच कर रहना,
सौ की गिनती हो गयी भैया बहना।

आओ गिनती पढ़ें।

मैं हूँ गिनती वाला टमाटर, खाकर बनो खूब ताकतवर।

81 इक्यासी	91 इक्यानबे
82 बयासी	92 बानबे
83 तिरासी	93 तिरानबे
84 चौरासी	94 चौरानबे
85 पचासी	95 पंचानबे
86 छियासी	96 छियानबे
87 सत्तासी	97 सत्तानबे
88 अट्ठासी	98 अट्ठानबे
89 नवासी	99 निन्यानबे
90 नब्बे	100 सौ

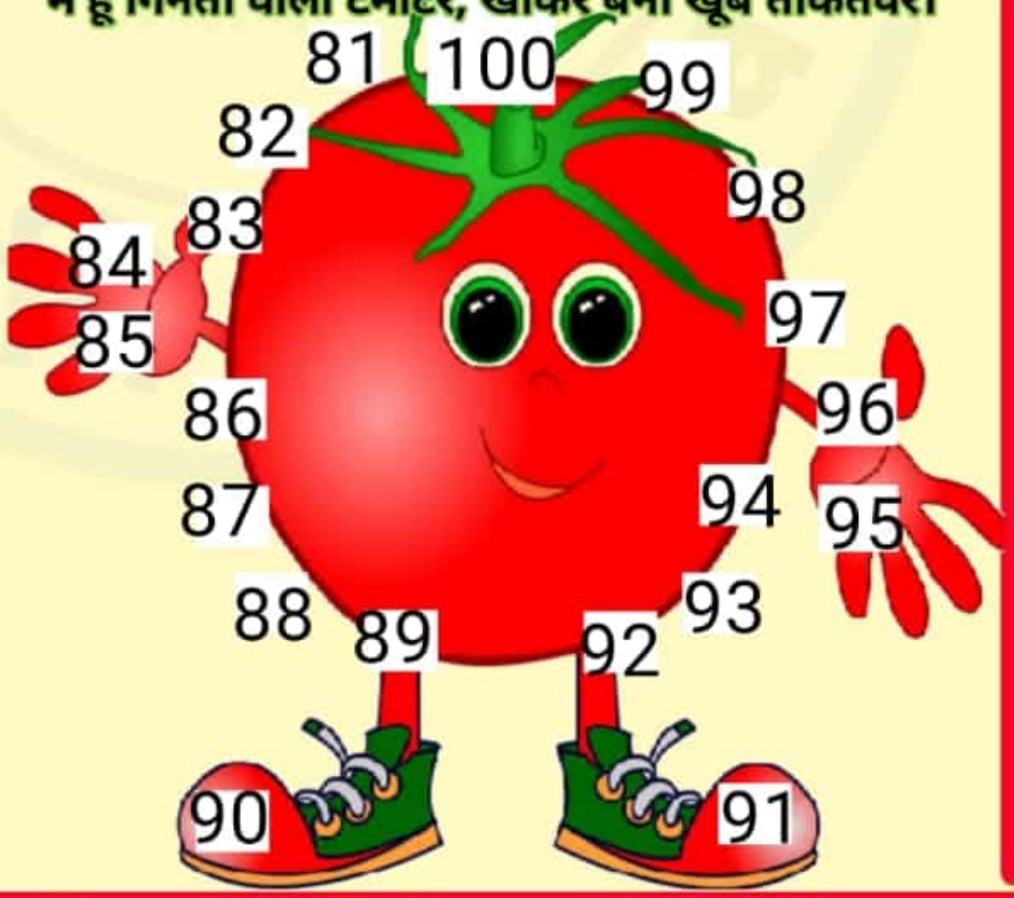

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी , प्र.अ. , प्रा. वि. मिश्रापुर , खैराबाद , सीतापुर।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा - 3 **प्रकरण -** इकाई दहाई व सैकड़े की अवधारणा को स्पष्ट करना। 101 से 300 तक की गिनती की समझ। **दिवस - 5**

तीली और बंडल से सीखें, इकाई और दहाई को।

बच्चों, आओ तीली और बण्डल का मजेदार खेल खेलते हैं। ध्यान ये रखना है कि दस चीजें मिलकर एक बंडल बनेगा, यानी जैसे ही हमारे पास कोई भी दस चीजे आ जाएंगी हम उनका एक बंडल बना लेंगे। जिसके पास बंडल होगा वो जोर से बताएगा,'मैं हूँ बंडल'। इसी प्रकार जिसके पास तीली होगी वो जोर से बताएगा,'मैं हूँ तीली'।

और इस प्रकार बंडल और तीली के खाने में उनकी संख्या भी लिखते जाएंगे। तो चलो इसे लिखते हैं -.

बंडल	तीली	बंडल और तीली

बच्चों, तीली को हम इकाई व बण्डल को दहाई कहते हैं

दहाई	इकाई	संख्या
1	1	11

बच्चों, इसी तरह से जब 99 के बाद 100 आता है तो इसमें तीन अंक हो जाते हैं। हमारे संख्या के घर मे एक और सदस्य आ जाता है। इसका नाम सैकड़ा है। जैसे दहाई में दस चीजें होती हैं, वैसे ही सैकड़े में सौ चीजे होती हैं। तो आओ इसको भी जानें -

सैकड़ा	दहाई	इकाई	संख्या
1	0	0	100

आओ , गिनती को समझ कर पढ़ें।

101	111	121	131	141	151	161	171	181	191	201	211	221	231	241	251	261	271	281	291
102	112	122	132	142	152	162	172	182	192	202	212	222	232	242	252	262	272	282	292
103	113	123	133	143	153	163	173	183	193	203	213	223	233	243	253	263	273	283	293
104	114	124	134	144	154	164	174	184	194	204	214	224	234	244	254	264	274	284	294
105	115	125	135	145	155	165	175	185	195	205	215	225	235	245	255	265	275	285	295
106	116	126	136	146	156	166	176	186	196	206	216	226	236	246	256	266	276	286	296
107	117	127	137	147	157	167	177	187	197	207	217	227	237	247	257	267	277	287	297
108	118	128	138	148	158	168	178	188	198	208	218	228	238	248	258	268	278	288	298
109	119	129	139	149	159	169	179	189	199	209	219	229	239	249	259	269	279	289	299
110	120	130	140	150	160	170	180	190	200	210	220	230	240	250	260	270	280	290	300

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी , प्र.अ. , प्रा. वि. मिश्रापुर , खैराबाद , सीतापुर।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

विषय - गणित

कक्षा - 3 प्रकरण - 301 से 500 तक की गिनती को समझकर पढ़ना व वस्तुओं की सहायता से संख्यांक लिखना व समझना। दिवस - 6

आओ, संख्याओं के घर मे चले। इकाई, दहाई , सैकड़े में लिखकर पढ़ें।

चौकौर टुकड़े(100)	चौकौर टुकड़े(10)	चौकौर टुकड़ा(1)	तीनों की गिनती करने पर कुल चौकौर टुकड़े
			एक सौ ग्यारह(111)

सैकड़ा	दहाई	इकाई	संख्या
1	1	1	111

इसी तरह और भी संख्याओं को लिखकर पढ़ेंगे और समझेंगे।

इकाई में एक चीज , दहाई में दस।
सैकड़े में होती सौ चीजें, याद रखो सब।

आओ , गिनती को समझ कर पढ़ें।

301	311	321	331	341	351	361	371	381	391	401	411	421	431	441	451	461	471	481	491
302	312	322	332	342	352	362	372	382	392	402	412	422	432	442	452	462	472	482	492
303	313	323	333	343	353	363	373	383	393	403	413	423	433	443	453	463	473	483	493
304	314	324	334	344	354	364	374	384	394	404	414	424	434	444	454	464	474	484	494
305	315	325	335	345	355	365	375	385	395	405	415	425	435	445	455	465	475	485	495
306	316	326	336	346	356	366	376	386	396	406	416	426	436	446	356	466	476	486	496
307	317	327	337	347	357	367	377	387	397	407	417	427	437	447	457	467	477	487	497
308	318	328	338	348	358	368	378	388	398	408	418	428	438	448	458	468	478	488	498
309	319	329	339	349	359	369	379	389	399	409	419	429	439	449	459	469	479	489	499
310	320	330	340	350	360	370	380	390	400	410	420	430	440	450	460	470	480	490	500

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी , प्र.अ. , प्रा. वि. मिश्रापुर , खैराबाद , सीतापुर।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

विषय - गणित

कक्षा - 3 प्रकरण - 501 से 700 तक की गिनती को समझकर पढ़ना व वस्तुओं की सहायता से संख्यांक लिखना व समझना। दिवस - 7

आओ, संख्याओं के घर मे चले। इकाई, दहाई , सैकड़े में लिखकर पढ़ें।

चौकौर टुकड़े(100)	चौकौर टुकड़े(10)	चौकौर टुकड़ा(1)	तीनों की गिनती करने पर कुल चौकौर टुकड़े
	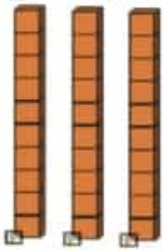		दो सौ बत्तीस(232)

सैकड़ा	दहाई	इकाई	संख्या
2	3	2	232

इसी तरह और भी संख्याओं को लिखकर पढ़ेंगे और समझेंगे।

इकाई में एक चीज , दहाई में दस।
सैकड़े में होती सौ चीजें, याद रखो सब।

आओ , गिनती को समझ कर पढ़ें।

501	511	521	531	541	551	561	571	581	591	601	611	621	631	641	651	661	671	681	691
502	512	522	532	542	552	562	572	582	592	602	612	622	632	642	652	662	672	682	692
503	513	523	533	543	553	563	573	583	593	603	613	623	633	643	653	663	673	683	693
504	514	524	534	544	554	564	574	584	594	604	614	624	634	644	654	664	674	684	694
505	515	525	535	545	555	565	575	585	595	605	615	625	635	645	655	665	675	685	695
506	516	526	536	546	556	566	576	586	596	606	616	626	636	646	656	666	676	686	696
507	517	527	537	547	557	567	577	587	597	607	617	627	637	647	657	667	677	687	697
508	518	528	538	548	558	568	578	588	598	608	618	628	638	648	658	668	678	688	698
509	519	529	539	549	559	569	579	589	599	609	619	629	639	649	659	669	679	689	699
510	520	530	540	550	560	570	580	590	600	610	620	630	640	650	660	670	680	690	700

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी , प्र.अ. , प्रा. वि. मिश्रापुर , खैराबाद , सीतापुर।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

विषय - गणित

कक्षा - 3 प्रकरण - 701 से 900 तक की गिनती को समझकर पढ़ना व वस्तुओं की सहायता से संख्यांक लिखना व समझना। दिवस - 8

आओ, संख्याओं के घर मे चले। इकाई, दहाई , सैकड़े में लिखकर पढ़ें।

चौकौर टुकड़े(100)	चौकौर टुकड़े(10)	चौकौर टुकड़ा(1)	तीनों की गिनती करने पर कुल चौकौर टुकड़े
	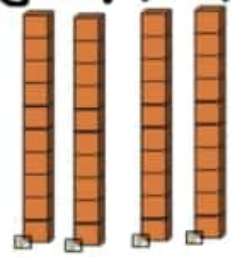	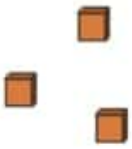	तीन सौ तैतालीस (343)

सैकड़ा	दहाई	इकाई	संख्या
3	4	3	343

इसी तरह और भी संख्याओं को लिखकर पढ़ेंगे और समझेंगे।

इकाई में एक चीज , दहाई में दस।
सैकड़े में होती सौ चीजें, याद रखो सब।

आओ , गिनती को समझ कर पढ़ें।

701	711	721	731	741	751	761	771	781	791	801	811	821	831	841	851	861	871	881	891
702	712	722	732	742	752	762	772	782	792	802	812	822	832	842	852	862	872	882	892
703	713	723	733	743	753	763	773	783	793	803	813	823	833	843	853	863	873	883	893
704	714	724	734	744	754	764	774	784	794	804	814	824	834	844	854	864	874	884	894
705	715	725	735	745	755	765	775	785	795	805	815	825	835	845	855	865	875	885	895
706	716	726	736	746	756	766	776	786	796	806	816	826	836	846	856	866	876	886	896
707	717	727	737	747	757	767	777	787	797	807	817	827	837	847	857	867	877	887	897
708	718	728	738	748	758	768	778	788	798	808	818	828	838	848	858	868	878	888	898
709	719	729	739	749	759	769	779	789	799	809	819	829	839	849	859	869	879	889	899
710	720	730	740	750	760	770	780	790	800	810	820	830	840	850	860	870	880	890	900

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी , प्र.अ. , प्रा. वि. मिश्रापुर , खैराबाद , सीतापुर।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

विषय - गणित

कक्षा - 3 प्रकरण - 901 से 999 तक की गिनती को समझकर पढ़ना व वस्तुओं की सहायता से संख्यांक लिखना व समझना। दिवस - 9

आओ, संख्याओं के घर मे चले। इकाई, दहाई , सैकड़े में लिखकर पढ़ें।

चौकौर टुकड़े(100)	चौकौर टुकड़े(10)	चौकौर टुकड़ा(1)	तीनों की गिनती करने पर कुल चौकौर टुकड़े
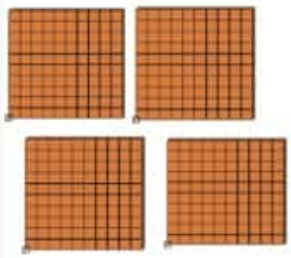	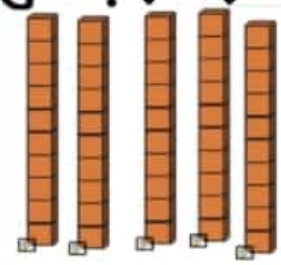	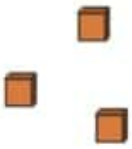	चार सौ तिरपन (453)

सैकड़ा	दहाई	इकाई	संख्या
4	5	3	453

इसी तरह और भी संख्याओं को लिखकर पढ़ेंगे और समझेंगे।

इकाई में एक चीज , दहाई में दस।
सैकड़े में होती सौ चीजें, याद रखो सब।

आओ , गिनती को समझ कर पढ़ें।

901	911	921	931	941	951	961	971	981	991
902	912	922	932	942	952	962	972	982	992
903	913	923	933	943	953	963	973	983	993
904	914	924	934	944	954	964	974	984	994
905	915	925	935	945	955	965	975	985	995
906	916	926	936	946	956	966	976	986	996
907	917	927	937	947	957	967	977	987	997
908	918	928	938	948	958	968	978	988	998
909	919	929	939	949	959	969	979	989	999
910	920	930	940	950	960	970	980	990	

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी , प्र.अ. , प्रा. वि. मिश्रापुर , खैराबाद , सीतापुर।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा - 3 प्रकरण - संख्याओं को लिखना और पढ़ना। दिवस - 10

बच्चों, दो अंक की संख्या में इकाई और दहाई होते हैं। 1 इकाई में एक चीज और 1 दहाई में दस चीजे होती है। यानी दहाई इकाई से बड़ी होती है।
और बड़े होने के कारण उसको पहले लिखा जाता है। आओ समझ कर लिखते हैं-

दहाई	इकाई	
3	5	तीन दहाई पाँच इकाई - पैंतीस

बच्चों, इसी प्रकार तीन अंकों वाली संख्या में इकाई, दहाई व सैकड़ा होते है। 1 सैकड़े में सौ चीजें होती हैं। अर्थात सैकड़ा दहाई से भी बड़ा होता है। इसीलिए सबसे पहले सैकड़ा फिर दहाई और इसके बाद इकाई लिखते हैं। आओ उदाहरण से समझ कर लिखते हैं -

सैकड़ा	दहाई	इकाई	
4	5	2	चार सैकड़ा पांच दहाई दो इकाई - चार सौ बावन

बच्चों, इसी प्रकार और भी संख्याएँ लिखकर पढो।

सैकड़ा	दहाई	इकाई	
5	4	9	--------
6	1	3	---------
	5	4	----------
3	3	9	---------
9	9	9	----------

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी , प्र.अ. , प्रा. वि. मिश्रापुर , खैराबाद , सीतापुर।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा - 3 प्रकरण -दो अंकीय साधारण जोड़ की समझ। दिवस - 11

बच्चों, आओ तुम्हे एक मजेदार कहानी सुनाती हूँ -
पीयूष और श्रद्धा अपने माता - पिता के साथ एक छोटे से गाँव मे रहते थे। एक दिन वे दोनों शहर मेला घूमने गए। पीयूष ने अपने लिए 24 रंग बिरंगी पेंसिलें ख़रीदीं और श्रद्धा ने 15 रंग बिरंगी काँच की गोलियाँ। दुकान वाले ने दोनों को अलग अलग पैकेट में समान दिया। लेकिन उन्होंने अपना सामान एक ही थैले में रख लिया। अरे यह क्या! पीयूष जोर से खुशी से चिल्लाया, एक साथ मिलाने पर हम दोनों का सामान कितना ज्यादा हो गया! श्रद्धा ने कहा , सामान उतना ही है ,लेकिन अब एक साथ मिल जाने पर ज्यादा हो गया है। वो दोनों खुशी से अपने घर वापस आ गए.....
तो बच्चों आप ये बताओ,,, पीयूष की पेंसिलें और श्रद्धा की कांच की गोलियाँ मिल जाने पर कुल कितना हो गया होगा,,,,,आइए सीखते हैं,,,,

24

15

पेंसिलों और कंचों की कुल संख्या जानने के लिए दोनों के संख्यांको को ऊपर नीचे रखेंगे। और इकाई की ओर से जोड़ना शुरू करेंगे।

दहाई	इकाई
2	4
+1	5
3	9

निम्नलिखित संख्यांको में उत्तर संख्यांक को गोला कीजिये व शब्दों में भी लिखिए।

31 32 33 34 35
36 37 38 39 40

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी , प्र.अ. , प्रा. वि. मिश्रापुर , खैराबाद , सीतापुर।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

विषय - गणित

कक्षा - 3 प्रकरण -दोअंकीय साधारण घटाना की समझ। दिवस - 12

बच्चों, फूलपुर गाँव में फूलों का एक सुन्दर बगीचा था। जिसमे बहुत सुंदर - सुंदर फूल खिलते थे। प्रतिभा और दिवाकर भी इसी गाँव में रहते थे। उनके पिताजी फूलों की खेती करते थे। रोज सुबह ताजे - ताजे सुंदर खिले हुए रंग - बिरंगे फूल तोड़कर शहर बेचने जाते थे। एक दिन गेंदे के 35 किलोग्राम फूल तोड़कर बिकने गए, लेकिन बहुत ज्यादा पानी बरसने के कारण 13 किलोग्राम ही फूल बिक पाए। अब प्रतिभा और दिवाकर यह हिसाब लगा रहे हैं कि उनके पास अब कितने किलोग्राम फूल बचे हैं ? तो आओ उनकी मदद करते हैं,,,,,,

बचे हुए फूलों की मात्रा जानने के लिए हमे कुल फूलों से बिक गए फूलों को कम करना होगा अर्थात घटाना होगा। संख्या को लिखते समय यह हमेशा ध्यान में रखेंगे कि बड़ी संख्या ऊपर लिखेंगे और उसके नीचे छोटी संख्या। तो चलो लिखते हैं-

	दहाई	इकाई
	3	5
−	1	3
	2	2

हमेशा इकाई की तरफ से ही घटाना प्रारम्भ करेंगे।

निम्नलिखित संख्यांको में उत्तर संख्यांक को गोला कीजिये व शब्दों में भी लिखिए।

21 , 22 , 23 , 24 , 25 , 26 , 27 , 28 , 29 , 30

आओ अभ्यास करें।

46 - 31 = ...

87 - 32 = ...

53 - 12 = ...

95 - 43 = ...

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी , प्र.अ. , प्रा. वि. मिश्रापुर , खैराबाद , सीतापुर।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

कक्षा - 3 प्रकरण -तीन अंकीय साधारण जोड़ की समझ दिवस - 13

बच्चों,कल विद्यालय में 175 बच्चे उपस्थित थे और आज 212 बच्चे उपस्थित हैं। तो चलो पता लगाते हैं कि कल और आज की उपस्थिति मिलाकर कुल कितने बच्चे उपस्थित हुए -

कुल उपस्थिति जानने के लिए हमे दोनों दिन उपस्थित हुए बच्चो की संख्या का योग करना होगा। तो चलो दोनों दिन की उपस्थिति के संख्यांको को लिखते हैं-

	सैकड़ा	दहाई	इकाई
	1	7	5
+	2	1	2
	3	8	7

हमेशा इकाई की तरफ से ही जोड़ना प्रारम्भ करेंगे।

निम्नलिखित संख्यांको में उत्तर संख्यांक को गोला कीजिये व शब्दों में भी लिखिए।

381 382 383 384 385
386 387 388 389 390

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी , प्र.अ. , प्रा. वि. मिश्रापुर , खैराबाद , सीतापुर।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा - 3 प्रकरण -तीन अंकीय साधारण घटाना की समझ दिवस - 14

रेखा के बाग में आम के 935 पेड़ लगे थे। उसमे से 413 पेड़ कट गए। अब रेखा के बाग में कितने पेड़ बचे.....
तो बच्चों बचे हुए पेड़ों की संख्या जानने के लिए हमे कुल पेड़ों में से कटे हुए पेड़ों की संख्या कम करनी है अर्थात घटानी है....तो चलो शुरू करते हैं घटाना -

	सैकड़ा	दहाई	इकाई
	9	3	5
−	4	1	3
	5	2	2

हमेशा इकाई की तरफ से ही घटाना प्रारम्भ करेंगे।

निम्नलिखित संख्यांको में उत्तर संख्यांक को गोला कीजिये व शब्दों में भी लिखिए।

521 , 522 , 523 , 524 , 525 , 526 , 527 , 528 , 529 , 530

आओ अभ्यास करें।

146 - 131 = ...

287 - 132 = ...

453 - 212 = ...

795 - 643 = ...

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी , प्र.अ. , प्रा. वि. मिश्रापुर , खैराबाद , सीतापुर।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

विषय - गणित

कक्षा - 3 प्रकरण - **हासिल की समझ** दिवस - 15

मैं हूँ हासिल मैं हूँ हासिल।
आओ बच्चों समझकर मुझको,
तुम बन जाओ सबसे काबिल।
मैं हूँ दहाई में छुपा हुआ,
रहता उसी में जुड़ा हुआ।

जोड़ के सवाल में आता हूँ जब,
अगले अंक में जुड़ता हूँ तब।
जितनी बार मैं आऊंगा,
अगले अंक में जुड़ता जाऊँगा।

घटा के सवाल में कुछ अलग करता हूँ,
दहाई के साथ कम संख्या में मिलता हूँ।
बड़ी बन जाती तब संख्या,
घट जाती है आसानी से।
हासिल लेकर बात बने तब,
हल होते सवाल आसानी से।

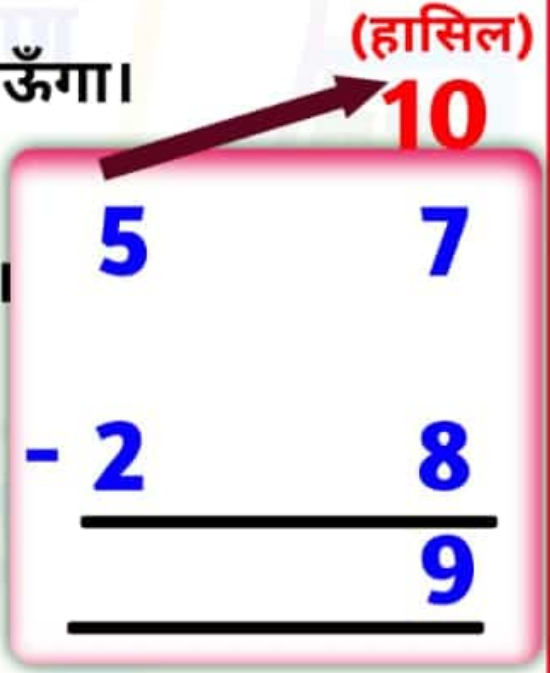

हासिल के गीत को गाते जाओ।
हासिल की समझ बढ़ाते जाओ।

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी प्र. अ. प्रा. वि. मिश्रापुर खैराबाद सीतापुर

Scanned by CamScanner

मिशन प्रेरणा

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

मिशन शिक्षण संवाद

विषय - गणित

कक्षा - 3 प्रकरण - हासिल की समझ दिवस - 16

बच्चो, आओ एक मजेदार खेल खेलते हैं, आज सभी को ट्रेन की सैर कराएँगे। अपनी इस ट्रेन का नाम है 'हासिल की ट्रेन'। जिस भी संख्या के जोड़ वाले खाने में ट्रेन जाएगी। वहाँ से हासिल लाएगी।

1 → 1 (हासिल)

```
  1
  5 7
+ 2 8
-----
    5
-----
```


2 (हासिल)


```
  2
  7 9
+ 3 8
  2 4
-----
    1
-----
```

→ 1 (हासिल)

```
  1
  2 9
+   8
-----
    7
-----
```


अब ऐसे ही तुम भी हासिल ढूँढ़ निकालो -

24+9 35+37

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी प्र. अ. प्रा. वि. मिश्रापुर खैराबाद सीतापुर

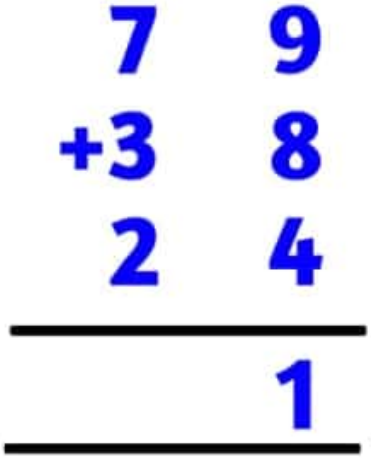

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

कक्षा - 3 प्रकरण - हासिल की समझ दिवस - 17

बच्चो, आज अपनी हासिल वाली ट्रेन संख्याओं के घटाने वाले खाने में जाने वाली है तो आओ चलते हैं -

एक हासिल एक दहाई के बराबर।
एक दहाई दस इकाई के बराबर।

→ 10 (हासिल/ दहाई)

```
  4   7
- 2   8
--------
      9
--------
```

बच्चों, घटाने में हासिल/दहाई , इकाई के अंक के साथ जुड़ कर बड़ा अंक बना लेता है , जिससे वो नीचे वाले अंक से घट जाती है।

10+7=17

अब 17 से 8 घटाएंगे।

→ 10 (हासिल/दहाई)

```
  2   5
-     6
--------
      9
--------
```


बच्चों, घटाने में हासिल/दहाई , इकाई के अंक के साथ जुड़ कर बड़ा अंक बना लेता है , जिससे वो नीचे वाले अंक से घट जाती है।

10+5=15

अब 15 से 6 घटाएंगे।

अब तुम भी अभ्यास करो और बताओ कि हासिल के साथ मिलकर इकाई का अंक कितना हो जाएगा।

```
  2 4        4 5        3 4
-   6      - 5 7      -   6
------     ------     ------
```


Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

विषय - गणित

कक्षा - 3 प्रकरण -दो अंको का हासिल का जोड़।दिवस -18

मुक्ता और निधि ने कल अपने बगीचे में दादा जी के साथ मिलकर फूलों के 15 पौधे लगाए । इन पौधों में कुछ समय बाद सुंदर-सुंदर फूल खिलेंगे।दादाजी पौधशाला से सहजन और मीठी नीम के 19 पौधे और ले आये और उन्हें अपने बगीचे में रोप दिया है। मुक्ता और निधि बहुत खुश हैं,और बार बार गिनती कर रही हैं कि अब उनके बगीचे में कुल कितने पौधे हो गए ? तो आइए उनकी सहायता करते हैं -

फूलों के पौधे लगाए गए - 1 5
मीठी नीम व सहजन के पौधे लगाए गए - 1 9

कुल लगाए गए पौधों की संख्या जानने के लिए दोनों दिन लगाए गए पौधों की संख्या का योग करेंगे।

```
  1 5            1
                 1 5
 +1 9       →   +1 9
 ----           ----
   14            3 4
```

9 और 5 का योग करने पर 14 योगफल प्राप्त हुआ। इसमें दहाई / हासिल 1 है, जिसे दहाई के खाने में अंक के ऊपर लिख लेंगे । फिर दहाई के सभी अंकों के साथ हासिल को जोड़ते हुए नीचे योगफल लिख देंगे।

आओ अब अभ्यास करें -

1.शशी करन की दुकान पर गयी। उसने 24 रुपये की चीनी व 17 रुपये का दूध का पैकेट खरीदा। शशी ने कुल कितने रुपये का सामान खरीदा ?

2.रिक्त स्थान में योगफल लिखिए-

34 +29 = ...

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी प्र.अ. प्रा. वि. मिश्रापुर खैराबाद सीतापुर

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा - 3 प्रकरण -दो अंको का हासिल का जोड़।दिवस -19

शीनू के पिताजी फलों और सब्जियों की दुकान लगाते हैं। आँगन में आज तीन पेटियाँ रखी हुई थी।शीनू ने देखा कि सेब की पेटी पर 25 किलोग्राम लिखा है। शीनू के पिताजी ने उसे सोचते देखा तो बोले बेटा ये पेटी में रखे सेबों का वजन है। इसी तरह अनार की पेटी 13 किलोग्राम की है व सब्जियों की पेटी 29 किलोग्राम की है। अब क्या तुम बता सकती हो कि तीनों पेटियों का कुल वजन कितने किलोग्राम है? शीनू ने कहा हाँ पिताजी। और फिर शीनू ने कुछ इस तरह अपनी कॉपी पर यह सवाल हल करके अपने पिताजी को सही उत्तर दिया -

25 किलोग्राम

13 किलोग्राम

29 किलोग्राम

तीनों पेटियों का कुल वजन ज्ञात करने के लिए हम तीनों पेटियों के वजन का योग करेंगे।

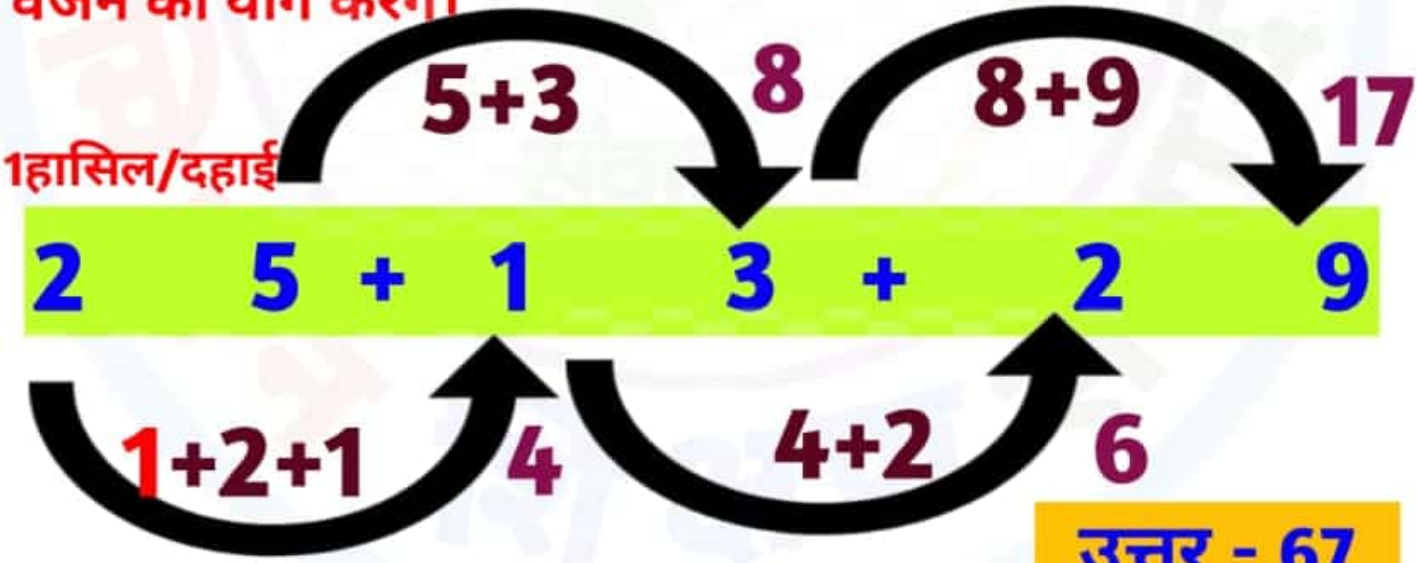

उत्तर - 67 किलोग्राम

आओ अब अभ्यास करें -

1. 35 + 23 + 13 = ...

2. 11 + 45 + 18 = ...

निर्माणकर्ता -नीलम कुमारी प्र. अ. प्रा. वि. मिश्रापुर खैराबाद सीतापुर

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

कक्षा - 3 प्रकरण -दो अंको का हासिल का घटाना। दिवस -20

आज विपिन का जन्मदिन है। विपिन के दोस्तों ने सुंदर रंगीन झालरों और गुब्बारों से कमरा सजाया है। पूरे 35 गुब्बारे कमरे में लगे हैं। बस केक कटने ही जा रहा है। सारे बच्चे विपिन का जन्मदिन का गीत गा रहे हैं। सभी बहुत खुश हैं। अरे यह क्या! केक कटते ही गुब्बारों को भी सभी फोड़ने लगे। वो तो कहो विपिन की माँ ने रोक दिया वरना सब फूट ही जाते। फिर भी 19 गुब्बारे फूट गए। विपिन अब सोच रहा है कि कमरे में अभी कितने गुब्बारे लगे है? आइए उसकी मदद करते हैं-

बचे हुए गुब्बारों की संख्या जानने के लिये कुल गुब्बारों में से फूटे गुब्बारों की संख्या कम करनी है अर्थात घटानी हैं।

1दहाई

```
  3   5
- 1   9
-------

-------
```

(3 - 1 = 2) (10 +5= 15) (15 - 9 = 6)

```
  3   5
- 1   9
-------
  1   6
-------
```

कुल 35 गुब्बारों में से 19 गुब्बारे घटाने हैं। ऊपर कुल गुब्बारों की संख्या व नीचे फूटे गुब्बारों की संख्या लिखते है। 5 , 9 से कम होने के कारण नही घटेगा, इसलिए दहाई वाले खाने से एक दहाई/ हासिल ले लेंगे। 1 दहाई में दस चीजे होती है, इसलिए 10 के साथ इकाई अंक 5 जुड़ जाएगा। और वहाँ 15 हो जाएगा। अब 15 से 9 घटाने पर 6 नीचे उत्तर वाली लाइन में इकाई के खाने में लिख देंगे। अब दहाई वाले खाने में एक दहाई चली जाने के कारण यहाँ 2 बचेगा। अब 2 में से 1 घटाने पर 1 नीचे उत्तर वाली लाइन में दहाई के खाने में लिख देंगे। इस प्रकार बचे हुए गुब्बारों की संख्या 16 इसका उत्तर आ गया।

आओ अब अभ्यास करें -

```
  4   3          2   8          6   7
- 2   6        - 1   9        - 4   8
---------      ---------      ---------

---------      ---------      ---------
```

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी प्र. अ. प्रा. वि. मिश्रापुर खैराबाद सीतापुर

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा - 3 प्रकरण -दो अंको का हासिल का घटाना। दिवस - 21

2 5	4 8	5 8
- 1 9	- 2 9	- 1 4
--------	--------	--------
--------	--------	--------

आओ खूब अभ्यास करें हम, हासिल में मजबूत बनें हम।
दहाई के खाने से एक दहाई लाकर, इकाई के अंक में जुड़ जाए आकर।
नए अंक से अब घटाएं हम, इकाई के खाने में लिख दें हम।
अब आयी दहाई के घटने की बारी, करते हैं इसकी तैयारी।
एक दहाई इकाई में गयी, एक अंक वो कम कर गयी।
उसी अंक से घटाएं हम, उत्तर अपना पाएँ हम।

6 3	4 1	7 5
- 3 6	- 2 6	- 3 8
--------	--------	--------
--------	--------	--------

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी प्र. अ. प्रा. वि. मिश्रापुर, खैराबाद सीतापुर

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा - 3 प्रकरण -तीन अंको का हासिल का जोड़।दिवस - 22

शगुफ्ता के पिताजी आज अनाज मंडी जा रहे हैं। वह आज धान बेचने जा रहे हैं। सुबह - सुबह ही पिताजी ने धान की दो बड़ी बोरियाँ निकाली थी। एक का वजन 125 किलोग्राम था और दूसरी का 186 किलोग्राम था। बच्चों, आओ पता लगाएँ कि शगुफ्ता के पिताजी कुल कितने किलोग्राम धान बेचने जा रहे थे?

धान का कुल वजन जानने के लिए दोनों बोरियों के वजन का योग करना होगा।

	1 हासिल	1 हासिल	
	1	2	5
+	1	8	6
	3	1	1

5 और 6 का योगफल 11आया जिसमे 1 इकाई 1दहाई है। 1 को इकाई के खाने में लिखते हैं और दहाई /हासिल अगले अंक के ऊपर लिखते हैं। अब 1 , 2 व 8 का योग करने पर 11 आया जिसमें से 1 उत्तर वाले खाने में लिखते हैं,और 1 अगले अंक के ऊपर लिख देते हैं। अब 1, 1 व 1 को जोड़ देते है। 3 को नीचे उत्तर वाली लाइन में लिख देते हैं। इस प्रकार हमे उत्तर प्राप्त हो जाता है।

आओ अभ्यास करें-

3 4 5	2 3 4	8 2 5	4 2 8
+4 6 7	+5 7 7	+4 9 7	+ 8 4 7
---	---	---	---
---	---	---	---

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी प्र. अ. प्रा. वि. मिश्रापुर, खैराबाद सीतापुर

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

कक्षा - 3 प्रकरण - तीन अंको का हासिल का जोड़। दिवस - 23

रुचि , शैली और सुभाष आज विद्यालय में बनी लंबाई मापन पट्टिका में अपनी लंबाई माप रहे थे। मेरे पूछने पर रुचि ने अपनी लंबाई 118 सेंटीमीटर , शैली ने 120 सेंटीमीटर और सुभाष ने 128 सेंटीमीटर बताई। यदि हम तीनों की लंबाई का योग करें तो हमे कुल कितने सेंटीमीटर लंबाई प्राप्त होगी ?

```
      1 हासिल
 1    1    8
+1    2    0
+1    2    8
-------------
 3    6    6
-------------
```

तीनों की लंबाई का कुल योग करने पर हमें कुल 366 सेंटीमीटर लंबाई प्राप्त होगी।

आओ अभ्यास करें -

1. पूर्णिमा , सरोज और रवि तीनों ने अपनी गुल्लक फोड़ी। पूर्णिमा के गुल्लक से 235 रुपए, सरोज की गुल्लक से 165 रुपये व रवि की गुल्लक से 88 रुपये निकले। तो ज्ञात करो कि तीनों के रुपये मिलाकर कुल कितने रुपये निकले ?

2.
```
  1 8 7        4 4 5        6 4 7
 +6 4 6       +5 7 8       +3 2 9
 +2 3 7       +4 5 6       +7 8 4
 ------       ------       ------

 ------       ------       ------
```

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी प्र. अ. प्रा. वि. मिश्रापुर, खैराबाद सीतापुर

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

विषय - गणित

कक्षा - 3 प्रकरण - तीन अंको का हासिल का घटाना। दिवस - 24

निधि अपनी बुआ के साथ बाजार आयी है। बहुत दिनों से वो अपनी माँ को एक सुंदर सा उपहार देने चाहती थी। इसीलिये तो वो पूरे 500 रुपये लेकर बाज़ार आयी है। बहुत खोजने पर उसने मां के लिए 155 रुपये का स्वेटर खरीदा। फिर इसके बाद उसने कोई सामान नही लिया और वापस घर आ गयी। बच्चों , क्या आप बता सकते हैं कि निधि के पास कितने रुपये बचे?

बचे हुए रुपये ज्ञात करने के लिए कुल रुपयों में से खर्च हुए रुपये घटाने होंगे।

1 हासिल	10 हासिल	10
5	0	0
- 1	5	5
3	4	5

0 से 5 घटेगा नही तो पड़ोस से एक दहाई / हासिल लेंगे मगर उसके पास भी 0। तो वह अपने पड़ोस से एक दहाई लेगा, इस प्रकार उसके पास 1 दहाई हो गयी। यह दहाई उसने अपने पड़ोस वाले को दे दी। अब 10 से 5 घटाकर 5 आएगा जिसे नीचे लिख लेंगे। फिर अब वहाँ1 दहाई देने के कारण 9 बचेगा। अब 9 से 5 घटानेपर 4 आएगा।इसे भी नीचे लिख देंगे। अब यहां 4 बचेगा। 4 से 1 घटानेपर 3 बचेगा। इस प्रकार 345 रुपये शेष बचेंगे।

आओ अभ्यास करें -

5 8 7	4 4 5	6 4 7
- 3 3 8	- 1 5 6	- 3 8 8
----------	----------	----------

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी प्र. अ. प्रा. वि. मिश्रापुर, खैराबाद सीतापुर

Scanned by CamScanner

मिशन प्रेरणा

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

मिशन शिक्षण संवाद

विषय - गणित

कक्षा - 3 प्रकरण - तीन अंको का हासिल का घटाना। दिवस - **25**

वंश के बाग में आम के 435 पेड़ लगे थे। अब ये पेड़ बहुत पुराने हो गए थे। अतः वंश के पिताजी ने 159 पेड़ कटवा दिए। थोड़े दिन बाद इनकी जगह नए पौधे लगाए जाएंगे। वंश की बाग में अब आम के कितने पेंड़ लगे हैं ?

बचे हुए आम के पेड़ों की संख्या जानने के लिए कुल पेड़ों में से कट गए पेड़ों की संख्या को घटाना होगा।

10 हासिल

```
  4   3   5      10+5=15
- 1   5   9
-----------
  2   7   6      दो सौ छिहत्तर आम के पेड़ लगें हैं।
-----------
```

3 - 1 = 2   12 - 5 = 7   15 - 9 = 6

2   7   6

आओ अभ्यास करें -

```
  4 8 7      7 4 5      3 4 7
- 3 9 8    - 3 5 6    - 1 6 8
-------    -------    -------
-------    -------    -------
```

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी प्र. अ. प्रा. वि. मिश्रापुर, खैराबाद सीतापुर

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

कक्षा - 3 प्रकरण - घटानें में हासिल की संक्रिया दिवस - 26

15 रूपये पास तुम्हारे, 5 खर्च किये खाने में।
बताओ अब बचे कितने, रुपये तुम्हारे बटुए में?
जमा में खर्च को करते कम, बचे शेष बताते हम।
यही क्रिया को करते है हम घटाओ के सवाल में।।

आओ जाने घटाने के अन्य तरीके

उद्देश्य : चित्र व नोटों की सहायता से उधार व बिना उधार के घटाव के सवाल हल कर सकें।

बण्डल व खुल्लों की मदद से घटाइए – (यदि [10] = दहाई : △ = इकाई हों।)

$$\begin{array}{r} 2\ 5 \\ -\ 1\ 7 \\ \hline 0\ 8 \end{array}$$

इसी विधि से स्वयं से करके सीखे।

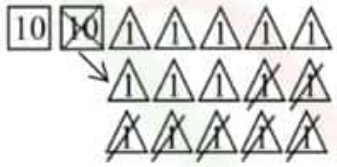

$$\begin{array}{r} 1\ 4 \\ -\ \ 9 \\ \hline \end{array}$$

संख्या रेखा द्वारा

13 - 4 = 9

आओ जाने हासिल लेना।

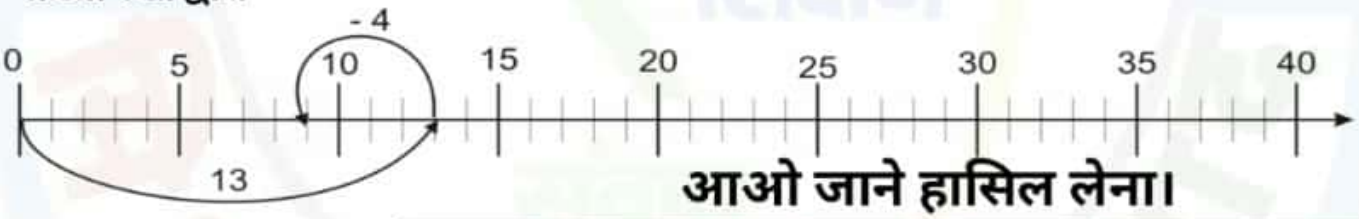

आपको नोटबुक खरीदने के लिए 8 रुपये की जरूरत है परंतु आपके पास मात्र 3 रुपये है। हम शेष रुपये किससे लेंगे?

जी हाँ अपनी माँ से, पर माँ के पास तो 10 का नोट है। तब आपके पास कितने रुपये हो गए?

जी हाँ 10+3 = 13 रुपये

आप दुकान वाले को 8 रुपये देकर नोटबुक खरीद लाये। तब आपके पास कितने रुपये शेष बचे।

जी हाँ 13-8 = 5 रुपये

1 दहाई = 10
+5
–8
=7

इस विधि को हम घटाओ में प्रयोग करते हैं और यदि ऊपर वाली संख्या में इकाई का अंक नीचे के इकाई के अंक से छोटा हो तब दहाई से 1 लेते हैं जो इकाई में 10 बन जाता है। माना ऊपर की इकाई में 5 है और नीचे की इकाई में 8 है यहां 5 संख्या 8 से छोटी है, तब 5 दहाई से 1 हासिल लेगा जिसका मान इकाई में 10 के बराबर होगा। इस प्रकार 10 हासिल के और 5 अंक को मिलाकर संख्या 15 बन जाएगी जिस पर 8 घटाने पर शेष 7 बचेगा।

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी (प्र०अ०) प्रा०वि० मिश्रापुर, खैराबाद, सीतापुर

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा - 3 **प्रकरण - (आओ पुनः समझें- घटाना)** **दिवस - 27**

पिछले दिवस में आपने हासिल वाले घटाने की संक्रिया को जाना। आज हम 3 अंकों के घटाने की संक्रिया को सीखेंगे।

प्रश्न - एक विद्यालय की कुल संख्या 326 में से 146 लड़कियां शेष लड़के है। तो विद्यालय में कितने लड़कें हैं?

इसे इस प्रकार लिख सकते हैं।

1 दहाई = 10

सै0	द0	इ0
3	2	6
− 1	6	8
1	5	8

10 10

2 +1 +6

−1 −6 −8

1 5 8

इस प्रश्न के इकाई के अंकों में ऊपर के इकाई का अंक नीचे के इकाई के अंक से छोटा है, ऐसे में हमको दहाई से 1 दहाई अर्थात 10 इकाई लेनी होगी। इसी प्रकार दहाई के अंक को देखें यदि नीचे की संख्या में दहाई का अंक ऊपर की संख्या के दहाई के अंक से बड़ा है तो इसी क्रिया को दोहराएंगे।

आओ स्वयं से सीखे

सै0	द0	इ0
8	0	5
− 4	2	9

सै0	द0	इ0
2	0	1
− 0	2	7

इबारती सवाल

प्रश्न - मां 650 रुपये ले कर बाजार गई। 465 रुपये का सामान खरीदा मां के पास अब कितने रुपये बचे?

सै0	द0	इ0
6	3	0
− 4	6	5

प्रश्न - मोहन ने 362 रुपये का सामान खरीदा और दुकान वाले को 500 का नोट दिया। बताओ दुकान वाले ने कितने रुपये वापस किये?

	सै0	द0	ई		सै0	द0	ई		
A.	7	0	3	−	5	4	9	=	154
B.	5	7	2	−	2	7	6	=	
C.	9	4	1	−	4	8	3	=	

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी (प्र०अ०) प्रा०वि० मिश्रापुर, खैराबाद, सीतापुर

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा - 3 प्रकरण - आओ प्रश्न बनाना सीखें। दिवस - 28

बच्चों, आपको हमेशा प्रश्न दिए जाते हैं, उत्तर खोजने के लिए। लेकिन अब आप स्वयं से प्रश्न बना सकते हैं। और अपने साथियों से पूछ सकते हैं। है न मजेदार, तो चलो आज प्रश्न बनाना सीखते हैं-

4 3 5 + 1 5 9 = ???

उपरोक्त संख्यांको को लेते हुए इबारती प्रश्न बनाइए।

पूजा के घर में धान की 435 बोरियां लगी हैं। आज दोपहर खेत से 159 बोरियां और आ गयी। बताओ पूजा के घर मे अब धान के कुल कितनी बोरियां हैं ?

3 3 5 - 1 4 9 = ???

उपरोक्त संख्यांको को लेते हुए इबारती प्रश्न बनाइए।

निशा आज बाजार गयी थी। उसके पास 335 रुपये थे। उसने अपने पढ़ने के लिए 149 रुपये की सामान्य ज्ञान की पुस्तक खरीदी। बताओ अब उसके पास कितने रुपये शेष हैं?

नीचे लिखे संख्यांको का प्रयोग करते हुए इबारती प्रश्न बनाएं।

4 8 7 + 7 4 5 = ????

2 8 7 - 1 4 5 = ????

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी प्र. अ. प्रा. वि. मिश्रापुर, खैराबाद सीतापुर

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा - 3 प्रकरण -बिना हासिल के इबारती सवाल दिवस - 29

1- राजू के पास 15 टॉफियाँ, कोमल के पास 20 टॉफियाँ और अनमोल के पास 11 टॉफियाँ हैं। अगर सबकी टॉफियाँ इकट्ठा कर ली जाए तो कुल कितनी टॉफियाँ होंगी?

2- कमलेश के पापा के पास 12 बकरियाँ, 4 गायें और 3 भैंसे हैं। उसके पास कुल कितने जानवर हैं

3- सानिया, सविता, शिवा मेला देखने गए, वहाँ सानिया ने 45 रुपये का बैग सविता ने 11 रुपये का खिलौना और शिवा ने 10 रुपये का पेंसिल बॉक्स खरीदा। उन्होंने दुकानदार को कितने रुपये दिए।

1- एक चींटी पटरी पर 3 सेमी० के निशान से 9 सेमी० के निशान तक चली। तो बताओ चींटी कितने सेमी० चली?

2- राधा ने मेले से एक फीता ख़रीदा, जिसकी लम्बाई 3 मी० है और बबली ने जो फीता ख़रीदा उसकी लम्बाई 7 मी० है। तो बताओ बबली का फीता राधा के फीते से कितना अधिक लंबा है?

3- फलों की एक पेटी में 58 संतरे हैं, उस पेटी में और कितने सेब मिला दिए जाएं कि पेटी में कुल 89 संतरे ही जाएं।

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी, प्र. अ. , प्रा. वि. मिश्रापुर, खैराबाद, सीतापुर

Scanned by CamScanner

प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य प्रेरणा लक्ष्य

प्रेरणा लक्ष्य आधारित अभ्यास कार्य

विषय - गणित

मिशन प्रेरणा

मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा - 3 प्रकरण - आकलन दिवस - 30

समय- 2 घंटा प्रपत्र पूर्णांक- 30

प्रेरणा लक्ष्य -जोड़ एवं घटाना (हासिल के साथ) के 75% प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।

नोट-सभी प्रश्न अनिवार्य हैं

प्रश्न 1:-जोड़ कर लिखो।

235 + 456	684 + 245	541 + 132
164 + 912	322 + 145	721 + 943

प्रश्न 2:-गिन कर लिखो।

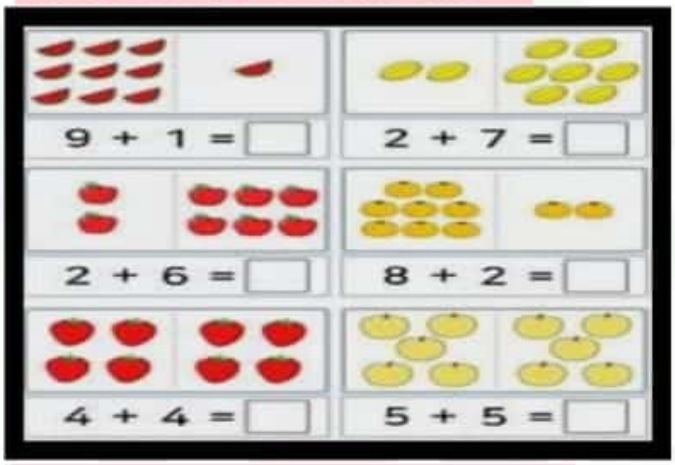

प्रश्न 3:-खाली जगह भरो।

5 + ☐ = 10

3 + ☐ = 6

5 + ☐ = 8

6 + ☐ = 10

5 + ☐ = 9

प्रश्न 4:- सभी प्रश्नों को हल करो।

89 − 42	66 − 35	78 − 25
56 − 24	65 − 31	93 − 52

प्रश्न 5:- हल करो।

34 - 27 =

57 - 49 =

18 - 09 =

87 - 38 =

66 - 66 =

प्रश्न 6:- प्रश्न हल करो।

1- कक्षा चार में 77 बच्चे हैं, कक्षा 5 में 58 और कक्षा तीन में 32 बच्चे हैं। तो बताओ विद्यालय में कुल कितने बच्चे हैं?

2- मेले में कुल 25 दुकानें लगी थीं। अगर किसी दिन केवल 11 दुकानें खुली थीं तो बताओ कितनी दुकानें बंद थी?

निर्माणकर्ता - नीलम कुमारी प्र.अ. प्राथमिक विद्यालय मिश्रापुर खैराबाद सीतापुर।

Scanned by CamScanner